केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 138 बुधवार 11 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हृदयगति रुकने से डा. उत्तम का निधन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीएचसी गौर में तैनात आरबीएसके के आयुष चिकित्सक डॉ. उत्तम सिंह (45) का हृदयगति रुकने से मंगलवार सुबह निधन हो गया है। वह अपने पीछे बूढ़े मां–बाप और पत्नी सहित बेटा–बेटी को छोड़ गए। उनके निधन की सूचना मिलते ही चिकित्सकों और स्टाफ में शोक की लहर दौड़ गई। बताया गया कि भोर में अचानक बीपी बढ़ने पर परिजन जिला अस्पताल ले गए। यहां उपचार के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार वह परिवार के साथ आवास विकास कॉलोनी में रहते थे। निधन पर एमओआईसी गौर डॉ. जेपी कुशवाहा, डॉ. प्रेमचंद्र, डॉ. प्रमोद शर्मा, डॉ. वीके वर्मा, डॉ. अनिल, राहुल श्रीवास्तव, रविंद्र पटेल आदि ने शोक जताया है।

बिजली कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर किया कार्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बिजली विभाग के निजीकरण को लेकर बिजली कर्मियों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। बिजली मंत्री व प्रदेश सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए बिजली कर्मियों ने बाहों पर काली पट्टी बांधकर कार्यालयों में कार्य किया। इससे पहले शनिवार को मुख्य अभियंता कार्यालय में जमा हुए कर्मियों ने धरना–प्रदर्शन किया था। अभियंता संघ के क्षेत्रीय सचिव पंकज कुमार ने बताया कि पॉवर कारपोरेशन पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण को लेकर जिद पर है, जबकि अभियंताओं व कर्मियों का मानना है कि निजीकरण बिजली कर्मियों व उपभोक्ता किसी के हक में नहीं है। अरबों की संपत्ति को कोड़ियों के दाम में बेचने की साजिश को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि संयुक्त संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के निर्देश पर कर्मी काली पट्टी बांधकर विरोध जता रहे हैं। इसमें अभियंता, जूनियर इंजीनियर व कर्मी सभी शामिल हैं।

बूंद–बूंद पानी को तरस रहे हजारों नागरिक

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के कटरा, आवास विकास उत्तरी, पुराना डाकखाना और बैरिहवा मोहल्ले की 10 हजार आबादी पिछले एक साल से पेयजल संकट से जूझ रही है। नागरिक बूंद–बूंद पानी को तरस जा रहे हैं। पेयजल बाजार से तो नहाने–धोने और अन्य कार्य के लिए दूसरे के घर से पानी लेने को मजबूर हैं। पिछले साल बड़ेवन–कंपनीबाग फोरलेन का निर्माण शुरू हुआ तो खुदाई के दौरान पेयजल जलापूर्ति पाइप ध्वस्त हो गई। इससे चारों मोहल्ले में जलापूर्ति ठप हो गई। बाद में ध्वस्त पाइप लाइन को दुरुस्त तक आपूर्ति कहीं–कहीं बहाल कराई गई, लेकिन संपूर्ण बहाली नहीं हो सकी। लंबी प्रतीक्षा के बाद तमाम घरों में निजी हैंडपंप लगवा लिए। मोटर से जलापूर्ति व्यवस्था कर ली। वहीं जहां जलापूर्ति पाइप दुरुस्त है और आपूर्ति बहाल है वहां भी पानी में प्रेशर नहीं है। पानी छत पर स्थित टंकियों में चढ़ नहीं पा रहा है। एक बाल्टी पानी भरने में समय लग रहा है। इससे कार्य प्रभावित हो रहा है। बता दें कि बड़ेवन ओवरब्रिज से लेकर कंपनीबाग तक करीब दो किमी तक पाइप लाइन जगह–जगह क्षतिग्रस्त है। इससे पानी भी बर्बाद हो रहा है। वहीं नई लाइन अभी संचालित नहीं है। इससे पेयजल संकट दिनों–दिन गहराता जा रहा है। पतेलवा मोहल्ले के लोग बाजार से पानी खरीदकर ला रहे और अपनी प्यास बुझा रहे हैं। जलनिगम नगरीय क्षेत्र के एक्सईएन रेहान फारूकी का कहना है कि नई लाइन का काम लगभग पूरा हो चुका है। कहीं–कहीं खुदाई के कारण समस्या आई है, जल्द ही नई लाइन से जलापूर्ति शुरू कराई जाएगी।

अविश्वास प्रस्ताव पर बोले रिजीजू आसन का सम्मान करना सीखे विपक्ष

नई दिल्ली (आभा)। केंद्रीय संसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने के लिए विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' द्वारा मंगलवार को नोटिस सौंपने के कदम को ''बेहद अफसोसजनक'' करार दिया। उन्होंने कहा कि सरकार को धनखड़ पर बहुत गर्व है। रीजीजू ने यहां संवाददाताओं से कहा कि उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के पदेन सभापति बहुत पेशेवर और निष्पक्ष हैं। रिजिजू ने कहा, षविपक्ष ने आसन की गरिमा का अनादर किया है, चाहे वह राज्यसभा हो या लोकसभा। कांग्रेस पार्टी और उनके गठबंधन ने लगातार आसन के निर्देशों का पालन न करके गलत व्यवहार किया है।

रिजीजू ने कहा कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जी एक साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। वे संसद के अंदर और बाहर हमेशा किसानों और लोगों के कल्याण की बात करते हैं। वे हमारा मार्गदर्शन करते हैं। हम उनका सम्मान करते हैं। रिजीजू ने कहा, 'जो नोटिस दिया गया है और उस पर जिन 60 सांसदों ने दस्तखत किए हैं। मैं उन 60 सांसदों के कदम की निंदा करता हूं। एनडीए के पास बहुमत है और हम सभी को चेयरमैन पर भरोसा है। जिस तरह से वे सदन का मार्गदर्शन करते हैं, उससे हम खुश हैं।'

पहली बार, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) के दलों ने मंगलवार को राज्यसभा में धनखड़ को हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस पेश किया। विपक्षी दलों ने उन पर उच्च सदन के सभापति के तौर पर ''पक्षपातपूर्ण'' आचरण करने का आरोप लगाया है। यदि प्रस्ताव पेश किया जाता है, तो इन दलों को इसे पारित कराने के लिए साधारण बहुमत की आवश्यकता होगी, लेकिन 243 सदस्यीय सदन में उनके पास अपेक्षित संख्या नहीं है।

विपक्षी सदस्यों ने हालांकि, इस बात पर जोर दिया कि यह ''संसदीय लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ने का एक संदेश'' है। विपक्ष की ओर से कांग्रेस नेता जयराम रमेश और नसीर हुसैन ने राज्यसभा महासचिव पी सी मोदी को नोटिस सौंपा। इस पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद), तृणमूल कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), आम आदमी पार्टी (आप), द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और समाजवादी पार्टी के सदस्यों सहित सहित 60 विपक्षी सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं।

निजीकरण के खिलाफ बिजली कर्मचारियों ने बांधी काली पट्टी, दर्ज कराया विरोध

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के विरोध में लखनऊ समेत सभी जिला एवं परियोजनाओं में बिजली कर्मचारियों एवं अभियंताओं ने काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के निर्णय के अनुसार बिजलीकर्मियों ने काम प्रभावित नहीं होने दिया बल्कि काली पट्टी बांधकर निजीकरण के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया। मुख्य अभियंताओं ने भी काली पट्टी बांधी।

ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने बताया कि 11 दिसंबर को लखनऊ में नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स (एनसीसीओईईई) की बैठक हो रही है, जिसमें बिजली के निजीकरण के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ में हो रहे बिजली के निजीकरण के विरोध पर फैसला लिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि एनसीसीसीओईई बिजली कर्मचारियों और इंजीनियरों की राष्ट्रीय समन्वय समिति है जिसमें देश के सभी प्रमुख बिजली कर्मचारी महासंघ, पावर डप्लिोमा इंजीनियर्स फेडरेशन और ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन शामिल हैं।

लखनऊ में हो रही बैठक में ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे, महासचिव पी रत्नाकर राव, ऑल इंडिया पावर डप्लिोमा इंजीनियर्स फेडरेशन के अध्यक्ष आरके त्रिवेदी, महासचिव अभिमन्यु धनकड़, इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया के वरष्ठि उपाध्यक्षअध्यक्ष सुभाष लांबा, कन्फेडरेशन ऑफ ऑफिसर्स एसोसिएशन के नेशनल के अशोक राव और ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी एम्प्लॉइज के महासचिव मोहन शर्मा शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बिजली के एकतरफा निजीकरण को लेकर देशभर के बिजली कर्मचारियों में भारी गुस्सा है. इसीलिए लखनऊ में समन्वय समिति की बैठक हो रही है जिसमें देशव्यापी आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी।

एआईपीईएफ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से तत्काल हस्तक्षेप कर कर्मचारी विरोधी निजीकरण को रद्द करने की अपील की है। एआईपीईएफ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारियों ने देश में सर्वाधिक 30 हजार मेगावाट तक बिजली आपूर्ति कर एक कीर्तिमान रचा है और यूपी के बिजली कर्मचारी भवष्यि में और बेहतर बिजली व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, इसलिए निजीकरण को बिजली कर्मचारियों पर एकतरफा नहीं थोपा जाना चाहिए।

सम्मानित हुये वृद्ध जन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को नगर पंचायत नगर में योग शिविर और वृद्ध जन सम्मान समारोह आयोजित हुआ। रानी लक्ष्मी बाई नगर वार्ड बिरऊपुर में हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा नेता पूर्व ब्लॉक प्रमुख राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि हर माह योग दिवस और वृद्ध जन सम्मान अनुकरणीय पहल है। उन्होंने कहा कि आज की भाग दौड़ के जीवन में नियमित योग और व्यायाम अत्यन्त आवश्यक है इससे तन मन दोनो स्वस्थ रहता है। कहा आज पूरी दुनिया सनातन की इस प्राचीन विधा को अपना रही है। श्री राना ने वार्ड के 90 वर्षीय श्रीमती बर्फी देवी और 96 वर्षीय लौहर प्रसाद की समारोह पूर्वक आरती उतारी, तिलक लगाया और अंग वस्त्र प्रदान कर उनको सम्मानित किया। उन्होंने वृद्ध माता पिता को प्रत्यक्ष ईश्वर का अंश बताते हुए कहा कि अपने बुजुर्गों का सम्मान हमारी संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा है। श्री राना ने उपस्थित जन समुदाय विशेषकर युवाओं से कहा कि अपने वरिष्ठों का सम्मान करने से स्वयं का सम्मान बढ़ता है। ।उन्होंने नगर को देश का एक मॉडल नगर पंचायत बनाने में सभी से सहयोग की अपील किया।

इसके पूर्व योग शिक्षक परवेज मंसूरी और श्वेता श्रीवास्तव ने सभी को योग तथा व्यायाम के तौर तरीके समझाए तो इसके फायदे भी गिनाए। कार्यक्रम का संचालन श्रुति अग्रहरि ने किया। इस अवसर पर सभासद विजय साहनी , देवेश धर द्विवेदी, राकेश पाण्डेय, इंद्रजीत राजभर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मैजिक को टक्कर मार पलटा डंपर बच्चों समेत 7 की मौत, 13 घायल

हाथरस (आभा)। हाथरस में डंपर ने टाटा मैजिक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इनमें कई बच्चे और महिलाएं भी शामिल हैं। सात लोग घायल हैं। मैजिक को टक्कर मारने के बाद ट्रक भी पलट गया। घायलों में कई की हालत गंभीर है। आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे हैं। सीएम योगी ने खुद घटना का संज्ञान लिया है। मृतकों के प्रति संवेदना जताने के साथ ही अधिकारियों को राहत कार्य में लगने का निर्देश दिया है। घायलों को समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करने का भी आदेश दिया है। ताकि मृतकों की संख्या न बढ़े। घटना कोतवाली हाथरस जंक्शन क्षेत्र के सलेमपुर के निकट हुआ है।

दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि मैजिक के परखचे उड़ गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां एक व्यक्ति

की मौत हो गई। घटना की सूचना पर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक भी मौके पर पहुंचे। जिलाधिकारी ने घायलों के बेहतर उपचार के लिए सीएमओ को निर्देशित किया है। सीएमओ ने सूचना मिलते ही डॉक्टरों की टीम लगा दी थी।

वहीं, हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। इसके साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह हादसा सिकंदरा रोड पर जैतपुर गांव के पास दोपहर दो बजे हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, कोतवाली चंदपा के गांव कुम्हरई के निवासी 20 लोग और उनके रश्तिेदार मैजिक में सवार होकर एटा के गांव नगला इमलिया निवासी 60 वर्षीय कैंसर पीड़ित बुजुर्ग देखने के लिए जा रहे थे।

गांव जैतपुर के पास कंटेनर ने मैजिक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मैजिक कई पलटी मारते हुए खड्डे में जा गिरी। क्षेत्रीय ग्रामीणों ने मैजिक से घायलों को बाहर निकाला। मौके पर ही छह लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि 14 लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां एक बच्चे ने भी दम तोड़ दिया। जिलाधिकारी राहुल पांडे ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि मौके पर छह लोगों की मौत हुई थी। एक बच्चे ने अस्पताल में दम तोड़ा। 13 लोग घायल हैं। छह घायलों को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। सात का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है।

तैयारियां पूरीः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को बस्ती में

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिले के करमा देवी शैक्षणिक संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर 11 दिसंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मुख्य अतिथि होंगे। संस्थान के संस्थापक आईएएस अधिकारी ओम नारायण सिंह ने बताया के मुख्यमंत्री करीब एक घंटे यहां समय देंगे।

मुख्यमंत्री के समक्ष विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। सीएम के आगमन को लेकर संस्थान के साथ–साथ जिले के अधिकारियों ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर दिन में 11 बजे

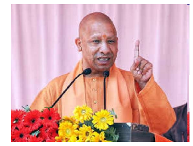

कॉलेज परिसर में उतरेगा। एक घंटे तक विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

कर्मा देवी पीजी कॉलेज का वार्षिकोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को लेकर सोमवार को जिलाधिकारी रवीश गुप्ता, पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम स्थल, हेलिपैड व मंच का निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को साफ–सफाई आदि को समय से पूर्व करने को निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने कार्यक्रम स्थल तक आने वाले वाहनों के पार्किंग स्थल आदि का जायजा लिया। समय रहते कार्य पूरा करने को संबंधित विभाग को आदेशित किया। अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह, क्षेत्राधिकारी कलवारी प्रदीप कुमार त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी हर्रैया संजय, थाना प्रभारी नगर देवेंद्र सिंह व फुटहिया चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

विश्व हिन्दू महासंघ ने वरिष्ठ अधिकारियों को भेंट किया पराक्रम पत्रिका, स्मृति चिन्ह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक सहित उच्च अधिकारियों से भेंट कर उन्हें पराक्रम पत्रिका, स्मृति चिन्ह, औरं भगवा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

इसके बाद पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ अमहट घाट शिव मंदिर पर बैठक के बाद प्रयागराज में आयोजित हुए प्रांतीय अधिवेशन में पुनः प्रथम स्थान प्राप्त होने पर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को पराक्रम पत्रिका स्मृति चिन्ह, एवं भगवा वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने बैठक में कहा कि सबके सामूहिक प्रयास से प्रयागराज में हुये प्रान्तीय अधिवेशन में प्रतिष्ठा बढी। इससे और बेहतर कार्य करने का उत्तरदायित्व बढ गया है। उन्होने पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वे महासंघ के नीति, कार्यक्रमों के विस्तार में अपना योगदान करें।

–विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने गिनाई उपलब्धियां

बैठक में प्रमुख रूप से अजय मिश्र प्रदेश मंत्री, सौरभ तिवारी – जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा, महेश हिंदूस्तानी – जिला संयोजक विजय शंकर शुक्ल – जिलाध्यक्ष गौरक्षा प्रकोष्ठ, अमरजीत सिंह – वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष परशुराम साहनी – जिला उपाध्यक्ष,जमुना कन्नौजिया – जिला उपाध्यक्ष, परमानन्द गुप्ता– जिला सहसंयोजक,दिनेश सिंह – जिला उपाध्यक्ष शैलेंद्र सिंह – जिला प्रवक्ता, शानू पाठक – जिला उपाध्यक्ष, विकास शर्मा – जिला मंत्री, विपिन सिंह –जिला मंत्री, अरविंद सिंह – जिला मंत्री,सतीश पान्डेय – ब्लाक अध्यक्ष दुबौलिया, अजय सिंह – ब्लाक अध्यक्ष बहादुरपुर,अखंड प्रताप सिंह – ब्लाक अध्यक्ष कप्तानगंज अंकित सिंह – महादेवा विधानसभा अध्यक्ष, पप्पू मौर्या – नगर पंचायत अध्यक्ष गणेशपुर, बालकृष्ण, संदीप कमला पुरी, शैलेंद्र सिंह, उदय सिंह, हरिवंश वर्मा, बाबा जयप्रकाश दास, राघवेंद्र विश्वकर्मा, राकेश सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनपद स्तरीय स्पेल-बी प्रतियोगिता में उत्कर्ष, सत्यम रहे अव्वल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में मंगलवार को स्पेल–बी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जनपद के विभिन्न विकासखण्डों से 90 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें उत्कर्ष मिश्र, सत्यम और सत्यम अव्वल रहे। डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने बच्चों को पुरस्कृत करके सम्मानित किया।

प्रतियोगिता कक्षा तीन, पांच एवं कक्षा आठ के लिए आयोजित की गई। हिंदी एवं अंग्रेजी शब्दों के श्रुतलेख के आधार पर बच्चों को कक्षा वार प्रथम एवं द्वितीय स्थान दिया गया। जिसमें कक्षा तीन की प्रतियोगिता में प्राथमिक विद्यालय मकदी साऊँघाट के छात्र सत्यम, कक्षा पांच में प्राथमिक विद्यालय खरवनिया बनकटी के छात्र सत्यम तथा कक्षा आठ में पूर्व माध्यमिक विद्यालय बरहपुर हर्रैया के छात्र उत्कर्ष मिश्र अव्वल रहे। बच्चों को

–जीत, हार से ज्यादा महत्वपूर्ण है प्रतियोगिता में भाग लेना – संजय शुक्ल

पुरस्कृत करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि प्रतियोगिता में जीत हासिल करने से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतिभाग करना होता है। उन्होंने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें प्रतियोगिता में हिस्सा लेते रहना चाहिए और लक्ष्य प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन प्रशिक्षण प्रभारी डॉ रविनाथ त्रिपाठी एवं नोडल प्रवक्ता कुलदीप चौधारी ने किया। प्रतियोगिता में डॉ गोविंद प्रसाद, शशि दर्शन त्रिपाठी, कल्याण पाण्डेय, अलीउद्दीन, ऋचा शुक्ला, इमरान आदि ने सहयोग किया।

मानवाधिकार दिवस पर मरीजों में किया फल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मंगलवार को विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट द्वारा राष्ट्रीय महासचिव राधेश्याम कमलापुरी के संयोजन में जिला चिकित्सालय के वार्डो के मरीजों में फल का वितरण किया गया। फल वितरण के दौरान ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष कन्हैयालाल बजाज, जिलाध्यक्ष आशीष शर्मा उर्फ कल्लू बाबा, प्रदेश महिला महासचिव तवस्सुम खातून आदि ने योगदान दिया। मुख्य चिकित्साधिकारी आर.एस. दुबे, प्रमुख अधीक्षक डा. बी.के. सोनकर ने इस पहल का स्वागत करते हुये कहा कि रचनात्मक प्रयास सराहनीय है।

फल वितरण के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय महासचिव राधेश्याम कमलापुरी ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा के लिये निरन्तर पहल करने के साथ ही पीड़ितों का समुचित सहयोग कराया जाता है। कहा कि ऐसे समय में जबकि दुनियां के अनेक देश युद्ध का आमना सामना कर रहे हैं मानवाधिकार संगठनों की भूमिका बढ जाती है। मरीजों में फल वितरण करने वालों में अमीर चन्द गुप्ता, मो. जानू, रामकुमार साहू, विनोद चौरसिया, एजाज अहमद, गोकुल सोनकर, धनपत सोनकर, सूर्यनाथ गुप्ता, अशोक गुप्ता, दीपक गुप्ता आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 11 दिसम्बर 2024 बुधवार

सम्पादकीय

कलंकित होते खून के रिश्ते

यूं तो हर रोज कई ऐसी खबरें विचलित करती हैं, जिसमें इंसानी रिश्तों का कत्ल होता है। लेकिन कुछ घटनाएं इतनी हृदयविदारक व वीभत्स होती हैं कि हर संवेदनशील व्यक्ति दुख व करुणा से स्तब्ध रह जाता है। पिछले दिनों दिल्ली की उस घटना ने विचलित किया, जिसमें आक्रोशित युवक ने पिता,मां व बहन की हत्या गुस्से में आकर कर दी। वहीं शनिवार को हरियाणा के शाहबाद की उस घटना ने हर किसी को झकझोरा, जिसमें पैसे के लेन–देन को लेकर कुछ लोगों द्वारा उत्पीड़ित किए जाने पर एक व्यक्ति ने अपने माता–पिता, पत्नी की निर्मम हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। उसने कोशिश तो अपने किशोर पुत्र की हत्या की भी की लेकिन संयोगवश वह बच गया। इस दिल दहला देने वाली घटना के बाद जो सुसाइड नोट मिला है, उसमें अपनों की हत्या करने वाले व्यक्ति ने आठ लोगों द्वारा रुपयों के लेन–देन के लिये उत्पीड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज भी किया है। अब भले ही हत्यारे व्यक्ति को रुपयों के लेन–देन को लेकर विकट स्थितियों का सामना करना पड़ रहा हो, लेकिन उसे इससे जन्म देने वाले माता–पिता व पत्नी की हत्या करने का अधिकार तो नहीं मिल जाता। आखिर उसके परिजनों का क्या कसूर था जिन्हें अकारण उसने मौत के घाट उतार दिया। दरअसल, ऐसे मामलों में अकसर देखने में आता है कि विकट परिस्थितियों में बेहद तनाव की स्थितियों से गुजर रहा व्यक्ति इतना हताश हो जाता है कि अपने प्रियजनों को किसी अपमानजनक स्थिति से बचाने के लिये उनकी जीवन लीला समाप्त करना अंतिम विकल्प समझ लेता है। इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि कई व्यक्ति वास्तविक आर्थिक स्थितियों का आकलन किए बिना ऐसे कदम उठा लेते हैं कि उसकी प्रतिपूर्ति करना मुश्किल हो जाता है। दरअसल संकट से गुजरते व्यक्ति में मुश्किल हालातों से मुकाबले का ऐसा धैर्य ही नहीं रहता है कि उससे उबारने का रास्ता खोज सके। ऐसे में मौत को गले लगाना ही उसे अंतिम विकल्प नजर आता है।

दरअसल, हमारे समाज में आज महत्वाकांक्षाओं और भौतिक संसाधन जुटाने का इस कदर जुनून हावी है कि आसन्न संकट का आकलन किए बिना व्यक्ति कर्ज के जाल में फंस जाता है। वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में आर्थिक लिप्साओं के उफान के दौर में लोग इतने संवेदनहीन हो चले हैं कि व्यक्ति की दुखती रग पर हाथ रखकर भयादोहन करने लगते हैं। निश्चित रूप से ये विकट स्थितियां मानवीय मूल्यों के पराभव को भी दर्शाती हैं। शाहाबाद की हृदय विदारक घटना के लिये जिन लोगों को दोषी बताया जा रहा है, उन्होंने भी इतना रहम नहीं दिखाया कि यह परिवार उजड़ने से बच जाए। चंद रुपयों को वसूलने के क्रम में लोग किस हद तक गिर सकते हैं, यह घटनाक्रम उसकी बानगी है। एक समय था कि लोग ऐसे संकट में फंसे व्यक्ति की मदद के लिये खड़े होते थे। हमारा सामाजिक स्वरूप ऐसा था कि गांव–मोहल्ले के लोग एक–दूसरे का दुख–दर्द बांट लेते थे। आज हर तरफ लोग पैसे के पीर बन गए हैं। शहरों में लोगों में ऐसी संवेदनशीलता नजर नहीं आती है कि दूसरे व्यक्ति या परिवार को संकट में फंसा देखकर आर्थिक संबल देकर या मनोबल बढ़ाकर उसे सांत्वना दें। ऐसे में जब व्यक्ति अपनी व अपने परिवार की मर्यादा व सम्मान गर्दिश में देखता है, तो वह आत्मघात को संकट का आखिरी समाधान मान लेता है। यह नये दौर की सामाजिक विकृति ही है कि अपनों का कत्ल करने से कोई गुरेज नहीं करता। सवाल यह भी है कि संकट कितना बड़ा क्यों न हो, आखिर कैसे कोई जन्म देने वाली मां का कत्ल कर सकता है? कैसे उस पिता को मार देता है, जिसने उसका जीवन सींचा है? कैसे उस पत्नी की हत्या कर देता है जिसकी रक्षा का संकल्प उसने सात फेरे लेते वक्त लिया था? निस्संदेह, समाज में पनपती यह संवेदनहीनता, निर्ममता, क्रूरता हमारे समाज विज्ञानियों के लिये मंथन का विषय है। आखिर क्यों किसी सभ्य समाज में ऐसी विकृतियां पनप रही हैं? यह हमारे समाज के लिये खतरे की घंटी है। जिसे सुना जाना चाहिए।

सीरिया में तख्तापलट मध्यपूर्व में नया संकट

–पुष्परंजन–

दमिश्क में पूर्व राष्ट्रपति हफीज अल असद के बुत उठाये जा रहे हैं। तानाशाहों के ताज उछाले जा रहे हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन का दावा है कि इस्राइल द्वारा 'ईरान और हिजबुल्लाह पर किए गए प्रहार' का सीरियाई क्रांति पर सीधा प्रभाव पड़ा है। लेकिन इस्राइल को चिंता बफर जोन की है। सीरियाई विद्रोही कब्जा न करें, इस वास्ते इस्राइली बलों को आदेश दिया है वो सतर्क रहें। ईरान का आरोप है कि यह सारा खेल अमेरिका, इस्राइल और तुर्किये का रचा हुआ है। लेकिन, यदि यह त्रिगुट आइसिस और अल कायदा की विचारधारा पर चलने वाले हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) को प्रोमोट करता रहा है, तो मानकर चलिए कि मिडल ईस्ट में एक खतरनाक खेल हुआ है। इस खेल का नाम था 'ऑपरेशन डिटरेंस ऑफ एग्रेशन'।

'एचटीएस' को यहां तक पहुंचने में बारह साल लगे। पहले इसे 'अल–नुसरा फ्रंट' के नाम से जाना जाता था। जबात अल–नुसरा का गठन 2012 में आइसिस द्वारा किया गया था। एक साल बाद यह गुट अलग हो गया, और फिर जबाहत फतेह अल–शाम नाम रखकर अल–कायदा के प्रति निष्ठा की घोषणा कर दी। कालांतर में इसने अल–कायदा से भी संबंध तोड़ लिए, और 2017 में हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) नाम से अपनी ब्रांडिंग शुरू कर दी। 'एचटीएस' इदलिब को नियंत्रित करता है। उत्तर–पश्चिम सीरियाई शहर इदलिब विद्रोहियों का एपिसेंटर रहा है, जहां

दूसरे आतंकी समूह, 'लिवा अल–हक', 'जबात अंसार अल–दीन' और 'जैश अल–सुन्ना' इससे जुड़ गए।

सीरिया की सीमा उत्तर में तुर्की, पश्चिम और दक्षिण–पश्चिम में लेबनान और इस्राइल, पूर्व में इराक, और दक्षिण में जॉर्डन से लगती है। मानकर चलें कि जब तक सीरिया में चुनाव होकर एक निर्वाचित सरकार नहीं आ जाती, यह पूरा इलाका डिस्टर्ब रहेगा। सीरिया की राजधानी में इराकी दूतावास की इमारत को खाली करा लिया गया है, और कर्मचारियों को लेबनान भेज दिया गया है। यह इराक द्वारा सीरिया के साथ अपनी सीमा को बंद करने, और दमिश्क में ईरानी दूतावास पर हयात तहरीर अल–शाम विद्रोही समूह के सदस्यों द्वारा हमला किए जाने के बाद हुआ है। रूस, ईरान, तुर्की, इराक, मिस्र, जॉर्डन, सऊदी अरब और कतर ने दोहा में सीरिया का 'राजनीतिक समाधान' निकालने आह्वान करते हुए एक संयुक्त बयान जारी किया है। दूसरी ओर, सीरिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद गाजी अलजलाली ने स्वतंत्र चुनाव कराये जाने की मांग की है।

लेकिन सबसे बड़ा सवाल है, रूस मिडल–ईस्ट से अपना मिलिटरी बेस हटाता है, कि नहीं? सीरिया के लताकिया प्रांत में रूस के खमीमिम एयरबेस और तटीय नगर पर टार्टस में इसकी नौसैनिक सुविधा है। टार्टस मिडल ईस्ट में रूस की एकमात्र भूमध्यसागरीय मरम्मत और पुनःपूर्ति केंद्र है। मास्को के लिए यह वैसा बेस है, जहां से उसके मिलिटरी कॉन्ट्रैक्टर अफ्रीका में स्थित ठिकानों पर उड़ानें भरते हैं। बशर अल असद की वजह से रूस को टार्टस में एक नौसैनिक अड्डा और खमीमिम में एक सैन्य हवाई अड्डा हासिल हुआ था। बदले में मॉस्को की सेना 2015 में सीरियाई संघर्ष में सैन्य रूप से शामिल हो गई, जिसने खूनी गृहयुद्ध में विपक्ष को कुचलने के लिए असद की सेना को सहायता प्रदान की। हमीमिम एयरबेस और टार्टस हटाने के लिए, क्या एक और युद्ध होगा? इस सवाल को हम यहीं छोड़े जाते हैं।

लेकिन, सबसे डरावना है अरब विद्रोह, या 'अरब स्प्रिंग', जो मिडल ईस्ट के शाही परिवारों और डायनेस्टी पॉलिटिक्स करने वालों की नींद उड़ाए हुए है। अरब स्प्रिंग के बीज 17 दिसंबर, 2010 को बोए गए थे, जब ट्यूनीशियाई सड़क पर खोमचे लगाने वाला मोहम्मद बौआजीजी ने पुलिस दुर्व्यवहार के विरोध में आत्मदाह कर लिया था। आत्मदाह देखकर क्रांति भड़क उठी। 14 जनवरी, 2011 को ट्यूनीशिया के राष्ट्रपति जीन एल अबिदीन बेन अली देश छोड़कर भाग गए। ट्यूनीशिया के बाद, अरब स्प्रिंग की गति बढ़ती रही। 25 जनवरी, 2011 को मिस्र में विरोध प्रदर्शन शुरू हुए, जिसके परिणामस्वरूप 11 फरवरी को राष्ट्रपति होस्नी मुबारक ने इस्तीफा दे दिया।

यह अशांति और फैल गई, 15 फरवरी, 2011 को लीबिया में मुअम्मर गद्दाफी के शासन के खिलाफ विरोधा प्रदर्शन शुरू हो गए। कर्नल मुअम्मर गद्दाफी ने लीबिया पर कुल 42 साल तक राज किया, कर्नल गद्दाफी सबसे अधिक समय तक राज करने वाले तानाशाह के रूप में जाने जाते थे। 20 अक्तूबर, 2011 को गद्दाफी मारे गये, लेकिन उससे पहले उनकी बड़ी दुर्गति हुई।

इन सारी घटनाओं से प्रेरित विद्रोह की लहर 2011 में सीरिया पहुंची, उसे कुचलने के लिए असद शासन ने क्रूर बल का इस्तेमाल किया। दूसरी ओर मार्च 2013 अमेरिका ने सीरियाई विपक्ष को सहायता प्रदान करना शुरू किया। उसी साल 21 अगस्त को घोउटा में विद्रोहियों पर रासायनिक हथियारों से हमला हुआ। अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई की धमकी दी। सितम्बर में सीरिया अंतर्राष्ट्रीय निगरानी में अपने रासायनिक हथियारों को नष्ट करने के लिए सहमत हुआ।

14 अप्रैल, 2018 को रूसी बलों द्वारा समर्थित सीरियाई सरकार ने लंबे समय तक घेराबंदी और भारी बमबारी के बाद पूर्वी घोउटा पर फिर से कब्जा कर लिया। 31 दिसंबर, 2020 को असद सरकार ने अलेप्पो पर भी नियंत्रण हासिल कर लिया, जो युद्ध में एक बड़ा मोड़ था। 26 मई, 2021 को बशर अल–असद को सीरिया के राष्ट्रपति के रूप में चौथी बार फिर से चुना गया, चुनाव की निष्पक्षता की अंतर्राष्ट्रीय आलोचना के बावजूद उन्हें 95.1 प्रतिशत वोट मिले।

सीरिया 14 वर्षों से गृहयुद्ध की चपेट में है। सीरिया में जो कुछ हुआ है, वह सभी एशियाई और अरब तानाशाहों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। विस्थापित सीरियाई नागरिकों का रिएक्शन अमेरिका–यूरोप में जिस स्केल पर दिखा उससे ही समझ में आ जाता है, गृहयुद्ध में उलझा मिडल ईस्ट कितना तबाह हुआ है। विपक्ष समर्थक सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, मार्च 2011 और मार्च, 2024 के बीच 164223 नागरिक मारे गए। इस संख्या में सरकारी जेलों में मारे गए अनुमानित 55,000 नागरिक शामिल नहीं हैं।

भारत ने हाल ही में सीरिया के साथ द्विपक्षीय संबंधों को नवीनीकृत करने के प्रयास शुरू किए थे। फरवरी 2023 में विनाशकारी भूकंप के बाद 'ऑपरेशन दोस्त' के नाम से भारत ने सीरिया को मानवीय सहायता भेजी थी, जबकि पश्चिमी देश ऐसा करने के लिए अनिच्छुक थे। भारत ने असद शासन को हटाने के लिए विदेशी हस्तक्षेप का विरोध किया था। भारत और सीरिया ने 29 नवंबर, 2024 को नई दिल्ली में विदेश कार्यालय परामर्श का छठा दौर आयोजित किया था। सीरिया में करीब 90 भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से 14 संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न संगठनों में काम कर रहे हैं। इस समय उनकी सुरक्षा भी हमारे लिए जरूरी है।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

जलवायु परिवर्तन के बढते खतरे

–अभिषेक कुमार सिंह–

दुनिया में ऐसा मानने वाले बहुत लोग हैं कि जलवायु परिवर्तन यानी क्लाइमेट चेंज और ग्लोबल वॉर्मिंग सिर्फ हवा–हवाई बातें हैं। इनका हौवा खड़ा करके कुछ पर्यावरणवादी संगठन और गरीब देश धन ऐंठते हैं। हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए दोबारा निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप तो ऐसे ही तर्क देकर जलवायु परिवर्तन थामने वाली पेरिस संधि से बाहर भी हो चुके हैं। इसके अलावा कुछ लोग मानते हैं कि ग्लोबल वॉर्मिंग का कई बार सकारात्मक असर भी होता है। इसका एक उदाहरण उत्तराखंड में सामने आया, जहां तेजी से बढ़ते एक हिमनद यानी ग्लेशियर का पता चला है। भारत–चीन सीमा के नजदीक नीति घाटी में पाया गया यह हिमनद 48 वर्ग किलोमीटर के दायरे में फैला है। हाल तक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर और सिक्किम आदि में हिमनदों के पिघलने, सिकुड़ने और गायब हो जाने की खबरें आती रही हैं। तेजी से बढ़ते ग्लेशियर की सूचना से जलवायु परिवर्तन से जुड़े वे सवाल फिर उठ खड़े हुए हैं कि कहीं सच में ऐसी आपदाओं का फर्जी डर तो नहीं दिखाया जा रहा है। या फिर नुकसान करने की बजाय यह परिवर्तन पृथ्वी के वातावरण में संतुलन बनाने के लिए तो नहीं होता है।

उत्तराखंड में सामने आए हिमनद का पता देहरादून स्थित वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों ने उपग्रही आंकड़ों और अन्य तकनीकों के जरिए लगाया है। क्या ऐसा जलवायु परिवर्तन के सकारात्मक प्रभावों से हुआ है– इसके जवाब में इन भूवैज्ञानिकों का मत है कि यह विचित्र घटना पर्यावरणीय असंतुलन यानी हाइड्रोलॉजिकल इंबैलेंस का परिणाम है जिसकी वजह से बर्फ की परतें कमजोर हो जाती हैं और वे अस्थिर होकर बड़े इलाके में फैल जाती हैं। बाढ़, सूखे, चक्रवात, भीषण गर्मी या सर्दी समेत तमाम तरह के मौसमी असंतुलन भी जलवायु परिवर्तन की अराजकताओं के नतीजे में पैदा होते हैं। बीते वर्षों में भारतीय उपमहाद्वीप से लेकर कई यूरोपीय देशों ने जैसी भीषण गर्मी और बाढ़ की त्रासदियां झेली हैं, उनमें यह असंतुलन दिखाई दे रहा है। इन्हीं घटनाओं के मद्देनजर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस बयान दे चुके हैं कि हमारी पृथ्वी गंभीर किस्म की जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही है।

जलवायु संकटों पर निगाह डालें तो बीते कुछ वर्षों में दुनिया में काफी

वर्षों में कोरोना वायरस के कारण लगे प्रतिबंधों का धरती की जलवायु पर सकारात्मक असर हुआ था। तब उम्मीद की जाने लगी थी कि इन सार्थक तब्दीलियों से सबक लेते हुए पटरी पर लौट रही अर्थव्यवस्थाएं विकास का ऐसा रास्ता चुनेंगी, जिसमें धरती के सुंदर भविष्य की परिकल्पनाएं साकार हो जाएंगी। लेकिन पहले तो अमेरिका–चीन के बीच तनातनी ने माहौल बिगाड़ा व बाद में रूस–यूक्रेन जंग ने। विशेषज्ञों का दावा है कि पिछले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन (ग्लासगो) में जिन बातों को लेकर सहमति बनी थी, उन्हीं की दिशा में बहुत धीमी प्रगति हुई। दूसरी वजह वित्तीय संकट और ऊर्जा के वैश्विक विकल्पों के सीमित होने की घटनाओं से बनी। ये घटनाएं न होतीं तो संभवतः जलवायु परिवर्तन लक्ष्य हासिल करने की राह आसान होती।

विकास बनाम पर्यावरण संकट के रिश्तों की बात करें तो तय है, जैसी धरती हमें सदियों पहले मिली थी, वह हमेशा वैसी नहीं रह सकती। विकास की कुछ कीमत पर्यावरण को अदा करनी ही थी। लेकिन धरती और इसकी आबोहवा औद्योगिक क्रांति के डेढ़ सौ बरस में ही इतना ज्यादा बदल गयी कि वैसा कुछ पृथ्वी पर जीवन के विकास के हजारों साल में कभी नहीं हुआ। चार दशक पहले जिनेवा मेंआयोजित पहले जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से मिलती है, जिसमें जुटे विज्ञानियों ने पहली बार जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे मौसमी बदलावों पर औपचारिक रूप से चिंता जताई थी। हाल के वर्षों में जलवायु विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अब अगर जल्द ही जलवायु परिवर्तन से निपटने की कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई गई तो इंसान नामक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा हो सकता है क्योंकि क्लाइमेट इमरजेंसी का वक्त आ पहुंचा है। इसका अंदाजा वर्ष 2022 में पाकिस्तान में विनाशकारी बाढ़ व यूरोप के कई देशों में ऐतिहासिक गर्मी पड़ने से नदियों के सूखने से लगता है। जलवायु परिवर्तनों के बदलावों को कई वैज्ञानिक अध्ययनों में दर्ज किया गया है।

ब्रिटेन विश्व में ऐसा पहला देश है जिसने पांच साल पहले 1 मई, 2019 को लंदन में हुए एक आंदोलन के बाद प्रस्ताव पारित करते हुए देश में सांकेतिक तौर पर जलवायु आपातकाल घोषित किया था। मई 2019 में ही आयरलैंड ऐसा करने वाला दूसरा देश बना था जिसकी संसद ने 'जलवायु आपातकाल' घोषित कर दिया था। साथ ही संसद से आह्वान किया था कि आयरिश सरकार जांच करके पता लगाए कि उसकी कौन सी नीतियों के कारण जैव–विवधता को नुकसान पहुंच रहा है और भरपाई के लिए क्या बदलाव किए जाएं। जलवायु आपातकाल लगाने के फैसले के पीछे लंदन में हुए जिस आंदोलन की भूमिका है, उसे वहां जिस समूह ने चलाया था उसका लक्ष्य साल 2025 तक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन सीमा शून्य पर लाने और जैवविविधता के नुकसान को समाप्त करना है। दरअसल पृथ्वी का हम इंसानों ने बेदर्दी से दोहन किया है। रिपोर्टों के मुताबिक, पृथ्वी के वायुमंडल में पहले से ज्यादा जहरीली गैसें और गर्मी घुल गई है। कोई अपवाद छोड़ दें तो इस गर्मी के चलते गंगोत्री और अंटार्कटिका जैसे ग्लेशियर तेजी से पिछल रहे हैं। तितलियों, मधुमक्खियों, मेंढक व मछली प्रजातियों, चिड़ियों, दुर्लभ सरीसृपों और अन्य जीव–जंतुओं की सैकड़ों किस्में हमेशा के लिए विलुप्त हो गई हैं। जंगल खत्म हो गए हैं, पानी का अकाल पड़ रहा है। कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों की मात्रा काफी ज्यादा बढ़ गई है जिससे सांस लेना दूभर हो गया है। नदियों से भी आस टूट रही है। नदियों के अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है।

चार–पांच दशकों में धरती की सेहत में कोई सुधार नहीं हुआ, जबकि आह्वान कई बार किए जा चुके हैं। अरबों–खरबों के खर्च के बावजूद वे कोशिशें रंग लाती नहीं दिखीं, जिन पर अमल होने से धरती माता के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार आ जाना चाहिए था।

हाशिये पर आधी दुनिया का दंश

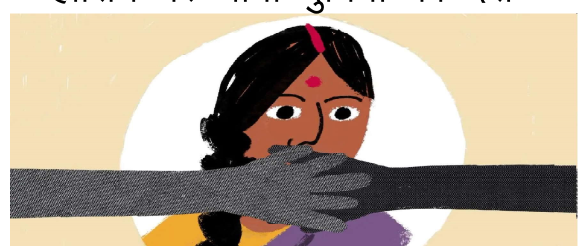

–संजीव ठाकुर–

स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

राष्ट्र निर्माण में नारी की शिक्षा एवं उनकी सहभागिता भारत का शक्तिशाली भविष्य है, अतः नारी की शिक्षा देश के लिए अति महत्वपूर्ण मुद्दा बन गई है,इनके अधिकारों और नई भूमिका के सही मूल्यांकन महती जरूरत है। आज स्त्री के संदर्भ में सारी पुरातन अवधारणाओं को बदलने का समय आ गया है ।नारी अब घर में पूज्या तो है ही साथ ही वह समाज में अपनी अहमियत की दस्तक देकर देश की सीमा सुरक्षा में भी अपना योगदान दे रही है। वह समय चला गया जब किसी घर में कन्या के पैदा होने से पूरे परिवार में मातम छा जाता था अब भारत में धीरे–धीरे सामाजिक परिवेश में लिंग भेद बदलने लगा है। स्थिति यह है कि शिक्षित परिवार केवल एक संतान ही पैदा करना चाहती है चाहे वह कन्या हो या पुत्र। अब परिवार में कन्या पैदा होने से खुशियां मनाई जाती है और पुरातन सोच अब धीरे–धीरे सामाजिक परिवेश को मस्तिष्क के मूल्यांकन के साथ बदलते जा रही है। पुरुष प्रधान समाज में नारी को पूज्या कह कर बहला दिया जाता था और उसे घर की चहारदीवारी में सीमित कर दिया गया था। यही कारण था कि वे पुरुषों की बराबरी में ना आकर बहुत पिछड़ गई और देश की समग्र विकास की स्थिति एकांगी हो गई थी। समाज यह भूल गया था कि जिन हाथों में कोमल चूड़ियां पहनी जाती हैं वही हाथ तलवार भी उठा कर युद्ध में एक वीरांगना की भूमिका निभाती है, इसकी सर्वश्रेष्ठ उदाहरण रजिया बेगम और रानी लक्ष्मीबाई रही हैं। मनुस्मृति पर यदि आप नजर डालेंगे तो पाएंगे कि उसमें स्पष्ट कहा गया है कि जहां नारियों की पूजा होती है वहां देवताओं का वास होता है। प्राचीन भारत में नारी शिक्षा का काफी प्रचार प्रसार किया गया था इसके कई प्रमाण भी हैं कि वेद की रिचाओं का ज्ञान नारियों को था इसमें कुछ महत्वपूर्ण नारियां समाज के लिए एक उदाहरण बन गई थी उनमें मैत्री, गार्गी, अनुसूया, सावित्री, आदि उल्लेखनीय हैं। वैदिक काल के विद्वान मुंडन मिश्र की पत्नी उदय भारती ने प्रकांड पंडित विश्व विजयी आदि शंकराचार्य को भी शास्त्रार्थ में भरी सभा में पराजित किया था । इसीलिए वेदों और पुराणों में भी उल्लेखित है की बालिका शिक्षा समाज के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला होता है। नारी के उत्थान में कई कुप्रथा कुठाराघात करती रही हैं, जो नारी के विकास में बाधा बनकर सामने आई थी इनमें बाल विवाह सबसे बड़ा अवरोध बना था और इसी का प्रतिफल है कि नारी पुरुष के समाज में काफी पिछड़ गई थी। महादेवी वर्मा ने नारी शिक्षा को पुरुष शिक्षा से ज्यादा महत्वपूर्ण बताया था उन्होंने कहा था स्त्री को शिक्षित बनाना एक पुरुष को शिक्षित बनाने से ज्यादा आवश्यक और महत्वपूर्ण है यदि एक पुरुष शिक्षित –प्रशिक्षित होता है तो उससे एक ही व्यक्ति को लाभ होता है किंतु यदि स्त्री शिक्षित होती है तो उससे संपूर्ण परिवार शिक्षित हो जाता है. उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण बात कही नारी को अशिक्षित रखना समाज के लिए अपराध के समान है। समय के परिवर्तन के साथ साथ नारी का महत्व अब पूरे तौर पर समझा जा रहा है आज समाज तथा देश में नारियां सर्वोत्कृष्ट कार्य कर रही है। समाज हो या विज्ञान या राजनीति अथवा समाज सेवा संपूर्ण क्षेत्र में आज नारियां पुरुषों से कंधे से कंधा मिलाकर सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रही है। मैडम क्यूरी, कल्पना चावला, इंदिरा गांधी, श्रीमति भंडार नायके, सरोजनी नायडू, कस्तूरबा गांधी जैसी महिलाएं राष्ट्र का मार्गदर्शन करने का काम करती रही है। महात्मा गांधी ने स्वयं कहा है कि जब तक भारत की महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में काम नहीं करेगी तब तक भारत का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है। आज का सबसे ताजा उदाहरण कॉमनवेल्थ गेम में महिला क्रिकेट टीम ने फाइनल में प्रवेश किया है और गोल्ड मेडल की तालिका में साक्षी मलिक बहनो, फोगाट बहनों ने विश्व में भारत का नाम ऊंचा किया है। पी वी संधू, वित्त मंत्री सीतारमण स्मृति ईरानी और मंत्रिमंडल में शामिल महिलाएं किसी से पीछे नहीं हैं। और सबसे ताजा उदाहरण भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने महिला होकर महिलाओं का नाम राष्ट्र की प्रथम पंक्ति में दर्ज कर देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया है। उन्होंने भारत के लिए एक स्वर्णिम इतिहास भी बनाया है ।अब भारत में नारियों की स्थिति प्रथम पंक्ति में मानी जाती है। ऐसे में भारत में नारी शिक्षा, उनकी सहभागिता तथा उनकी आत्म निर्भरता भारत के भविष्य की शक्तिशाली ऊर्जा एवं संपत्ति ही होगी।

हत्या के बाद चोरी किए गए गहने खरीदने वाला सर्राफ गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्व जिला पंचायत सदस्य सरोज सिंह की हत्या व चोरी के मामले में मंगलवार को पुलिस ने सीतापुर के तंबौर थाने के ठाकुरपुरवा निवासी दीपक वर्मा को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि दीपक ने इस मामले में चोरी किए गए जेवरात को खरीदा था। एएसपी योगेश कुमार ने बताया कि 12/13 नवंबर की रात महराजगंज तराई थाने के निबोरिया सुदर्शनजोत में सीढ़ी लगाकर घर में घुसे चोरों ने 70 वर्षीय पूर्व जिला पंचायत सदस्य सरोज सिंह की हत्या कर दी थी। साथ ही आलमारी तोड़कर जेवरात, रुपये व रिवाल्वर चोरी कर लिया था। इस मामले में अखिलेश बहादुर सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया था। बताया कि इस मामले में मंगलवार को पुलिस ने चहलारी घाट बहराइच – रेऊसा मार्ग सीतापुर से दीपक वर्मा को गिरफ्तार किया है। बताया कि उसने चोरी की गई संपत्ति को खरीदा था। जांच में पाया गया कि पूर्व नियोजित तरीके से एक संगठित गिरोह के रूप में बछराज चौहान के साथ मिलकर दीपक वारदात को अंजाम देता है।

पुलिस ने दीपक के पास से पीली धातु की चेन, अंगूठी, कान की बाली, नाक की नथिया, पायल सहित अन्य सामान बरामद करने का दावा किया है। बताया कि दीपक के ऊपर बलरामपुर के साथ ही लखीमपुर खीरी के ईसानगर, सीतापुर के सकरन, सिद्धार्थनगर के इटवा व चिल्हिया में भी अलग–अलग धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

पुलिस ने इस मामले में 17 नवंबर की रात को जरवा में हुई मुठभेड़ में सीतापुर के तंबौर थाने के कोलगढ़ निवासी बछराज चौहान को गिरफ्तार किया था। इसके अगले दिन 18 नवंबर को वारदात में शामिल सीतापुर के तंबौर थाने के औरी साईंपुर निवासी राज कुमार को गिरफ्तार किया था। इस मामले में अभी एक अन्य आरोपी की तलाश पुलिस कर रही है।

बच्ची को ढूंढ रही थी पुलिस घर की पानी टंकी में मिला शव

संवाददाता–कुशीनगर। तमकुहीराज थाना क्षेत्र निवासी करनपट्टी सुदर्शन गुप्ता की विवाहिता बेटी अपने अपने पति व नौ माह की बेटी केशवी के साथ अपने छोटे भाई के शादी में शामिल होने आई थी। सोमवार को बारात जाने की तैयारी हो रही थी इसी दौरान नौ माह की केशवी अचानक गायब हो गई। काफी देर तक खोजबीन के बाद भी जब बच्ची नहीं मिली तो देर शाम तमकुहीराज पुलिस को बेटी के गायब होने की सूचना दी। सूचना के बाद इंस्पेक्टर तमकुहीराज व महिला एसआई आकांक्षा सिंह के नेतृत्व में पुलिस की दो टीम मौके पर आई और देर रात तक जांच पड़ताल में जुटी रही। मंगलवार सुबह परिजनों ने सुदर्शन गुप्ता के भतीजे के छत पर लगे पानी की टंकी में बच्ची का शव तैरता देख पुलिस को सूचना दी। सूचना के बाद आई पुलिस शव को कब्जे में लें आवश्यक कारवाई में जुट गई। मामले की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोगों की भीड़ मौके पर मौजूद रहीं।

जो पुत्र अपने माता पिता का अनादार करें वे धुंधकारी के समान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिसके चरित्र को देखने मात्र से ही घृणा हो वहीं धुंधकारी है। वह अपने कुकर्मों से प्रेत बनता है। गोकर्ण जैसा भाई और भागवत ही प्रेत योनि से मुक्ति दिला सकते हैं। जो पुत्र अपने माता पिता का अनादार कर दुराचार और पापाचार करते हुये समाज को कष्ट देते हैं वे सभी धुंधकारी हैं। धुंधकारी पांच वेश्याओं में फंस जाता है, शब्द, स्पर्श, रूप, रस और गंध जीव को बांध लेते हैं। जिन हाथों से श्रीकृष्ण की सेवा न हो, जो हाथ परोपकार न करें वे हाथ शव के समान हैं। तन और मन को दण्ड दोगे तो पाप का क्षय होगा। श्रीमद्भागवत मुक्ति की कथा है। यह सद् विचार आचार्य अनिरुद्ध जी महाराज ने राजेश्वरी मिश्रा प्राकृतिक कृषि फार्म दुबखरा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के दूसरे दिन व्यासपीठ से व्यक्त किया।

–श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ

महात्मा जी ने कहा कि सत्य को समर्पित करने वाला ही सत्ता का अधिकारी है। सत्य स्वरूप परमात्मा के प्रति जब जीव का समर्पण होता है तभी कर्तव्य का ज्ञान होता है। महात्मा जी ने कलयुग के प्रवेश, धर्म के दुःखी होने, नारद के प्रयास और परमात्मा के अवतारों का विस्तार से वर्णन करते हुये कहा कि भागवत कथा के श्रवण से वासना की ग्रन्थियां टूटती है। वैकुण्ठ में जो आनन्द है वही भागवत कथा में मिलता है। मंगलाचरण के महत्व का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि सत्कर्मों में अनेक विघ्न आते हैं। भगवान शिव का सब कुछ अमंगल है किन्तु उनका स्मरण मंगलमय है। उन्होंने काम को जलाकर राख कर दिया, मनुष्य जब तक सकाम है उसका मंगल नहीं होता। ईश्वर के अनेक स्वरूप हैं किन्तु तत्व एक है। ध्यान करने से ईश्वर और जीव का मिलन होता है। जगत की उत्पत्ति, स्थिति और विनाश भी लीला है। कृष्ण गांधारी से मिलने गये तो गांधारी ने उन्हें शाप दिया कि तुम्हारे बंश में कोई भी नहीं रहेगा। इसमें भी श्रीकृष्ण आनन्दित है।

कथा का विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने आत्मदेव, गोकर्ण, धुन्धकारी और मंगलाचरण प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुये कहा कि मांगने से प्रेम की धारा टूट जाती है। प्रभु से कुछ मत मांगो, ईश्वर को अपना ऋणी बनाओ। ईश्वर पहले हमारा सर्वस्व ले लेते हैं और फिर अपना सर्वस्व हमें दे देते हैं। गोपियों ने भगवान से कुछ नहीं मांगा, गोपियों का प्रेम शुद्ध है। वे जब भी भगवान का स्मरण करती हैं तो ठाकुर जी को प्रकट होना पड़ता है। गोपाल शर्मा, लक्ष्मण, आशीष ने भक्ति गीतों से वातावरण को आध्यात्मिक बना दिया।

श्रीमद्भागवत कथा के क्रम में मुख्य यजमान कर्नल के.सी. मिश्र, ने विधि विधान से व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। मुख्य रूप से मनीष सिंह, ऊषा सिंह, राजपति, अंकुर यादव, राधेश्याम यादव, रंजीत मिश्र, कर्नल मिथुन मिश्र, रामवृक्ष मिश्र, लालजी मिश्र, बजरंगी मिश्र, डा. सत्यनरायन मिश्र, डा. अवध नरायन मिश्र, दिग्विजय, रविन्द्र, आनन्द, कृष्ण कुमार पाण्डेय, आर.के. शुक्ल, सुशील मिश्र, आर.के. शुक्ल, आर. के. त्रिपाठी, कुसुम मिश्रा, अनुराधा पाण्डेय, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

शव की हुई रानी के रूप में पहचान, हत्या का मुकदमा दर्ज

संवाददाता–श्रावस्ती। दो दिन पहले रविवार को इकौना के जगरावल गढ़ी के पास सांझी नाले से अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ था। पुलिस की ओर से पहचान कराने के लिए शव मर्चयूरी हाउस में रखवाया गया था। मंगलवार को शव की पहचान रानी यादव के रूप में हुई। इसके साथ ही एक व्यक्ति पर हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

इकौना थाना क्षेत्र के मदारा चौकी निवासी सुरेन्द्र यादव ने मंगलवार को पुलिस के साथ मर्चयूरी हाउस पहुंच कर शव की पहचान पत्नी रानी यादव के रूप में की। जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पति सुरेन्द्र यादव ने इकौना थाने में तहरीर देकर ग्राम चिरैयापुर निवासी विजय पासवान पुत्र बहादुर पासवान पर पत्नी रानी यादव की हत्या का आरोप लगाया है। सुरेन्द्र की तहरीर पर पुलिस ने विजय पासवान के विरुद्ध हत्या का मामला दर्ज लिया है और जांच कर रही है। सुरेन्द्र ने आरोप लगाया है कि विजय पासवान के छोटे भाई की ससुराल उसके गांव मदारा चौकी में है। भाई ससुराल में ही रहता है। इससे विजय का भी मदारा चौकी आना जाना रहता था। सुरेन्द्र का कहना है कि शनिवार को उसकी पत्नी रानी यादव विजय के भाई सोनू के मांगलिक कार्यक्रम में जाने के लिए घर से निकली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। रविवार को उसका शव नाले में मिला। आरोप लगाया है कि विजय पासवान ने हत्या कर शव नाले में फेंका है। पुलिस ने विजय पासवान को नामजद करते हुए हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दूबे ने बताया कि मामले की हर परिस्थिति की जांच की जा रही है।

सिया जी को ब्याह कर अयोध्या लौटे श्रीराम का हुआ भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार 26 नवंबर को अयोध्या से जनकपुर रवाना हुई बारात विवाह के बाद माता सीता के साथ अयोध्या लौटी तो अयोध्या वासियों ने स्वागत में अपने पलक पांवड़े बिछाकर भव्य स्वागत किया। ऐसा स्वागत जो देखते ही बनता था। पुष्प वर्षा के साथ अयोध्या वासियों ने अपने आराध्य प्रभु श्री राम और माता सीता के आगमन पर जमकर आतिशबाजी की मंगलवार को अयोध्या में ऐसा लग रहा था कि जैसे प्रभु श्री राम कलयुग में नहीं त्रेता युग में जनकपुर से माता जानकी के साथ अयोध्या आ रहे हैं। लगभग 12ः30 बजे बैंड बाजे के साथ रथ पर सवार प्रभु श्री राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न माता सीता और बारात का नेतृत्व कर रहे राजेंद्र सिंह पंकज के साथ सैकड़ों बाराती साकेत महाविद्यालय से अयोध्या की सड़कों पर निकले तो पेट्रोल पंप के पास तीर्थ पुरोहित धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेश महाराज के अध्यक्षता में बारातियों का भव्य स्वागत हुआ उसके उपरांत धर्मकांटा पर तीर्थ पुरोहित समाज सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गेश पांडे के नेतृत्व में सैकड़ो लोगों ने पुष्प वर्षा के साथ बारातियों का माला पहनकर स्वागत किया और भगवान की आरती उतारी। जैसे ही बारात श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य प्रवेश द्वार पर पहुंची अयोध्या के संतो महंतों और नागरिकों ने भव्य स्वागत किया आतिशबाजी हुई पुष्प वर्षा हुआ प्रसाद वितरण किया गया और सैकड़ो की धुन पर माता ने प्रभु श्री राम ओ माता जानकी के आगमन पर जमकर डांस किया बारात धीरे–धीरे मुख्य मार्ग से होते हुए कारसेवक पुरम पहुंची जहां बारातियों का भव्य स्वागत हुआ, आरती उतारी और उसके उपरांत सभी लोग अपने–अपने घर के लिए रवाना हुए। बारातियों के स्वागत में बड़े हनुमान मंदिर के अधिकारी महंत छविराम दास, अयोध्या के महापौर गिरिशपति त्रिपाठी, ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ अनिल मिश्र, गोपाल जी, हनुमानगढ़ के प्रेममूर्ति कृष्णकांत महाराज सहित सैकड़ो संत महंत उपस्थित रहे।

सौंदर्यीकरण का कार्य तेज, लोकार्पण जल्द होगा

संवाददाता–श्रावस्ती। नगर पालिका परिषद भिनगा में दहाना स्थित पटेल तिराहे के सौंदर्यीकरण का कार्य तेज हो गया है। सौंदर्यीकरण के कार्य को अंतिम रूप दिया जा रहा है जो लगभग बनकर तैयार हो चुका है। जल्द ही लोकार्पण का कार्य पूरा किया जाएगा। भिनगा नगर के भिनगा सिरसिया मार्ग को लक्ष्मनपुर मार्ग से जोड़ने वाले दहाना तिराहे के नाम को बदलकर पटेल तिराहा किया गया था। जिसके बाद उसके सौंदर्यीकरण का कार्य शुरू कराया गया। एक तरफ जहां तिराहे का सौंदर्यीकरण व उच्चीकरण कराया जा रहा है। वहीं यहां प्रतिमा भी स्थापित की गई है। जिसका लोकार्पण इसी माह हो सकता है। लोकार्पण की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। यहां पटेल पार्क को रंग बिरंगे फूलों से सजाने के लिए पौधे लगाए जा रहे हैं। मंगलवार को भिनगा ईओ डाक्टर अनीता शुक्ला ने कर्मचारियों के साथ पटेल तिराहा पहुंच कर सौंदर्यीकरण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने अपनी मौजूदगी में यहां विभिन्न प्रजातियों के फूलों के पौधे लगवाए। उन्होंने बताया कि हमारा प्रयास है कि इसी माह लोकार्पण हो जाए।

अलाव में डीजल डालते समय ब्लास्ट, नाला निर्माण कार्य में लगे चार मजदूर बुरी तरह झुलसे

संवाददाता–बहराइच। सोमवार की रात अलाव में डीजल डालते समय ब्लास्ट हो गया। नाला निर्माण कार्य में लगे चार मजदूर चपेट में आ गए। चारों बुरी तरह झुलस गए। गंभीर हालत होने पर मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है। घटना खैरीघाट थाना क्षेत्र बेहड़ा बाजार की है। यहां नाला निर्माण कार्य में लगे मजदूर झुलस गए। मजदूर पयागपुर थाना, अमदापुर गांव निवासी अक्षयवर (38) ने बताया आठ मजदूर निर्माण कार्य में लगे थे। रात में ठंड अधिक होने के चलते वह साले चेतराम (45) निवासी पयागपुर थाना के डोलिया गांव, चेतराम का लड़का महेश (19) और रानीपुर थाना के कालीपुरवा मौजा गोड़रिया निवासी श्यामू (25) अलाव ताप रहे थे।

इसी दौरान आग बढ़ाने के लिए एक साथी ने पिपिया में भरे डीजल को अलाव में डाला तो उसमें ब्लास्ट हो गया। इसके चलते सभी सभी घायल हो गए। चीख पुकार सुनकर मौजूद अन्य साथियो ने आग बुझाई। उन्हें सीएचसी महसी ले गए। वहां से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। इमरजेंसी पर तैनात डॉक्टर शिवम मिश्रा और उनकी टीम में तैनात सदाशिव, अजीत, ओमपाल, बलवीर सिंह, महिप गुप्ता ने इलाज किया। डॉक्टर के मुताबिक चेतराम और अक्षयवर लगभग 70 प्रतिशत झुलस गए हैं। लखनऊ रेफर कर दिया गया है।

पैमाइश से पहले विवादः हमसे बड़ा के गुंडा ब.! अधिकारी बोले– बंद तो कर दिया, सरकारी अभिलेख फाड़ा

संवाददाता–देवरिया। तहसील क्षेत्र के सिसवा दीक्षित गांव में तैनात लेखपाल अतुल कुमार ने एसडीएम दिशा श्रीवास्तव को पत्र देकर बताया है कि राजस्व निरीक्षक पुरैना श्यामनाथ गिरी, लेखपाल सत्यानंद तिवारी व मैं मंगलवार को सीमांकन करने के लिए सिसवा दीक्षित गांव गए थे। पैमाइश का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच गांव के कुछ लोगों ने लाठी डंडा लेकर भद्दी–भारी गालियां देते हुए मेरे ऊपर जानलेवा हमला कर राजस्व अभिलेख फाड़ दिया। कोतवाली थाना क्षेत्र के सिसवा दीक्षित में मंगलवार को पैमाइश करने गए राजस्व टीम पर कुछ मनबढ़ किस्म के लोगों ने जानलेवा हमला कर दिया। साथ ही सरकारी नक्शा को भी फाड़ दिया। इसकी खबर मिलते ही राजस्व विभाग के कर्मचारियों ने देर शाम को कोतवाली पहुंचकर कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। तहसील क्षेत्र के सिसवा दीक्षित गांव में तैनात लेखपाल अतुल कुमार ने एसडीएम दिशा श्रीवास्तव को पत्र देकर बताया है कि राजस्व निरीक्षक पुरैना श्यामनाथ गिरी, लेखपाल सत्यानंद तिवारी व मैं मंगलवार को सीमांकन करने के लिए सिसवा दीक्षित गांव गए थे।

पैमाइश का कार्यक्रम चल रहा था। इसी बीच गांव के कुछ लोगों ने लाठी डंडा लेकर भद्दी–भारी गालियां देते हुए मेरे ऊपर जानलेवा हमला कर राजस्व अभिलेख फाड़ दिया। मैं किसी प्रकार मौके से जान बचाकर भाग निकला। लेकिन यहां भी वे लोग नहीं छोड़े मुझे दौड़ा कर मारा पीटा, जिससे मैं गंभीर रूप से घायल हो गया।

मामला को गंभीरता से लेते एसडीएम दिशा श्रीवास्तव ने कोतवाल टीजे सिंह को तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया। इसके बाद लेखपाल समीर सिद्धार्थ, लक्ष्मुदीन अंसारी, ओमप्रकाश कुशवाहा, रजनीश मिश्र, इंदुप्रकाश पाठक, संतोष कुमार, अभिनव मिश्रा, कानूनगो श्यामनाथ गिरी, दिनेश श्रीवास्तव, धर्मप्रकाश सिंह, सत्यानंद तिवारी, धीरेन्द्र कुमार, हरीश भारती, संदीप सिंह घायल लेखपाल अतुल कुमार के साथ कोतवाली पहुंचे और कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग की, जिसको लेकर कोतवाली में घंटों चहल पहल बनी रही।

दिशा श्रीवास्तव एसडीएम सलेमपुर ने कहा कि पैमाईश के दौरान एक लेखपाल के साथ जो हुआ है वह ठीक नहीं है। जानकारी मिली है कि विवाद करने वाले लोग नवीन परती की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर बैठे हैं। इस मामले में कोतवाली पुलिस को कार्रवाई हेतु निर्देशित किया गया है। जल्द ही टीम लगाकर नवीन परती को खाली करा दिया जाएगा।

अजगरों ने पुराने डीह पर बनाया डेरा, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता–देवरिया। क्षेत्र के छोटी गण्डक किनारे बसे गांव में अक्सर विशालकाय अजगरों के दिखने से ग्रामीणों में दहशत हैं। वहीं जिगिना मिश्र में आबादी बीच एक पुराने डीह पर अजगरों ने अपना बसेरा बना लिया है। इस ठंड में अक्सर पूरे दिन अजगर धूप सेंकते हुए देखे जा रहे हैं। ग्रामीणों ने इसकी सूचना संबंधित विभाग को दी है लेकिन कोई विभागीय पहल न होने से डर समाया है। छोटी गण्डक घाट के किनारे पक्के पुल, नूरीगंज पुराना मिल, जिगिना मिश्र, बेहराडाबर आदि गांव में अक्सर अजगर देखे जा रहे हैं। इन अजगरों का काफी अधिक वजन तथा ज्यादा संख्या में होने के कारण लोग भयातुर नजर आ रहे हैं। सहमे हुए ग्रामीण इसकी सूचना भी विभागीय जिम्मेदारों को दे चुके हैं। जिगिना मिश्र रामप्रवेश मिश्र के घर के पीछे पुराने डीह पर इस ठंड में हर रोज करीब पांच की संख्या में अजगर धूप सेंकते हुए देखे जा रहे हैं। अजगरों के देखे जाने से पशु पालक काफी चिंतित हैं। मुरारी खरवार, शिवबक्स मिश्र, सोहन मिश्र, गौरमोहन मिश्र आदि की माने तो अजगरों के कारण भय बना हुआ है। अजगरों के आतंक से मवेशियों को सुरक्षित रखना भी एक चुनौती है। वहीं ग्रामीणों की माने तो अजगरों ने अभी तक किसी का नुकसान तो नहीं किया है लेकिन इनके बढ़ते हुए वजन और विशालकाय होते शरीर से आने वाले दिनों में मवेशियों के शिकार की संभावनाएं बढ़ रही हैं। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत करते हुए विभागीय जिम्मेदारों से इन्हें पकड़ने की गुजारिश की है। ग्रामीणों ने बताया कि जिलाधिकारी देवरिया से मिलकर भी अपनी शिकायत दर्ज करायी जाएगी। जिससे इनका रेस्क्यू किया जा सके।

कौशल किशोर त्रिपाठी, वन रेंज अधिकारी, भटनी ने कहा कि गॉव में अजगर मिलने की सूचना ग्रामीणों ने दी है। टीम गयी थी थोड़ा मुश्किल है लेकिन जल्द ही अजगरों को आबादी से पकड़कर कही जंगली एरिया में छोड़ दिया जाएगा।

बारहवें बिंदुग्द्याचार्य स्वामी विश्वनाथ प्रसादाचार्य महराज को संतों ने किया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। चक्रवर्ती सम्राट दशरथ राजमहल बड़ा स्थान के बारहवें बिंदुगाद्याचार्य स्वामी विश्वनाथ प्रसादाचार्य महाराज के 27 वीं पुण्यतिथि हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। अयोध्या के संतो महंतों ने श्री महाराज जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि महाराज जी सेवा को ही सर्वोपरि समझते थे और 1990 में जब गोली कांड हुआ और कारसेवक इधर–उधर भागने लगे तो श्री महाराज जी ने दशरथ महल कोठी का दरवाजा कारसेवकों के लिए खोल दिया सुरक्षा ही नहीं जी बल्कि उनके भोजन पानी रहने का भी इंतजाम किया जब तक कि अयोध्या का माहौल शांत नहीं हो गया (वर्तमान पीठाधीश्वर बिंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य महाराज ने बताया कि श्री गुरु महाराज जी 12 वें आचार्य थे और गौ सेवा संत सेवा कोही अपना धर्म मानते थे हमेशा संतों की सेवा अयोध्या में चलती रहती थी दशरथ राजमहल में जो भी व्यक्ति श्री महाराज जी के सम्मुख आया वह खाली हाथ नहीं लौटा उसकी इच्छाओं की पूर्ति श्री महाराज जी ने की। श्रद्धांजलि सभा में आए अयोध्या के संतो महंतों और अतिथियों का बिंदुग्द्याचार्य स्वामी देवेंद्र प्रसादाचार्य जी महाराज की कृपा पात्र शिष्य मंगल भवन पीठाधीश्वर महंत कृपालु राम भूषण दास जी महाराज ने स्वागत किया। श्रद्धांजलि सभा मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नारायण दास, जगदगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामदिनेशाचार्य, श्री लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण, संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास, हनुमानगढ़ी के पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधव दास, बड़े भक्तमाल महंत स्वामी अवधेश कुमार दास, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण,श्री राम आश्रम के महंत जयराम दास, महंत मनीष दास, महंत शशिकांत दास,महंत रामकुमार दास हनुमानगढ़ के पुजारी रमेश दास, राजू दास, महंत शशिकांत दास सहित सैकड़ों संतो महंतों श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए स्वच्छता बेहद जरूरी

संवाददाता–श्रावस्ती। विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र छात्राओं को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। साथ ही उन्हें विभिन्न प्रकार के स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई और स्वस्थ जीवनशैली के लिए स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। नगर पंचायत इकौना के अधिशासी अधिकारी सतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को मेरा शहर मेरी जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत नगर क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन हुआ।

जिसमें स्वच्छ सारथी क्लब के सदस्यों, कोर टीम व एमआरएफ टीम की ओर से छात्र–छात्राओं को जागरूक किया गया। कार्यशाला में जिला कार्यक्रम प्रबंधक की ओर से छात्रों को गीला–सूखा कूड़ा, डोमेस्टिक एवं सेनेटरी के बारे में विस्तार से बताया गया। इस दौरान चित्रकला प्रतियोगिता भी कराई गई। ईओ सतीश कुमार ने कहा कि शौचालय को हमेशा साफ रखना जरूरी है। जहां स्वच्छता होगी वहां स्वस्थता होगी। वहीं प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश मिश्रा ने कहा कि स्वच्छता को अपने आचरण में इस तरह अपना लो कि वह आपकी आदत बन जाए। इस मौके पर अवधेश राजपूत, संजय, कोर टीम व प्रशांत, संदीप, धर्मेंद्र, नीरज, नवीन, शिक्षक निखिल सिंह, सुभाष पाठक आदि मौजूद रहे।

चार ग्राम पंचायतों में बनेंगे बहुउद्देशीय पंचायत भवन

संवाददाता–देवरिया। जिला योजना के तहत जिले की चार ग्राम पंचायतों में बहुउद्देशीय पंचायत भवन बनेंगे। इन चारों भवनों के निर्माण पर कुल 69 लाख 84 हजार रुपये खर्च होंगे। शासन से इन भवनों के निर्माण की वित्तीय स्वीकृति होने के साथ ही धनराशि भी पूर्व में ही निर्गत हो चुकी है। वहीं बहुउद्देशीय पंचायत भवन निर्माण के लिए जिला पंचायत राज विभाग द्वारा चार ग्राम पंचायतों का चयन कर लिया गया है। जिससे इसके निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। जिले में कुल 1121 ग्राम पंचायतें हैं। जिनमें वर्ष 2024–25 में चार ग्राम पंचायतों में बहुउद्देशीय पंचायत भवनों के निर्माण (जिला योजना) हेतु शासन से वित्तीय स्वीकृति मिलने के साथ ही पंचायती राज विभाग को धन आवंटित हो गया है। विभाग द्वारा इसके निर्माण के लिए प्रस्ताव मांगा गया था। जिसमें भवनों के निर्माण के लिए उन ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता दी गई थी जिन ग्राम पंचायतों में आबादी के नजदीक जमीन की उपलब्धता होगी। इसके अलावा निर्माण होने वाली भूमि पर किसी प्रकार का विवाद नहीं होना चाहिए। साथ ही कम आबादी ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता दी गई थी। जिसमें निर्धारित मानक पूरा करने वाली चार ग्राम पंचायतों में जिनका चयन किया है उनमें लार विकास खण्ड माधोपुर, रुद्रपुर में रतनपुर, तरकुलवा में मथुरा छापर व भागलपुर में करौता ग्राम पंचायत शामिल है। सभी ग्राम पंचायतों में निर्माण के लिए पहली किस्त की धनराशि भेज दी गई है।

शादी समारोह में जा रहे दो युवकों की हादसे में मौत

संवाददाता–गोण्डा। थाना कोतवाली देहात के सालपुर चौकी क्षेत्र में गोंडा–उतरौला मार्ग पर सिसरूर अंदूपुर के पास सोमवार रात करीब पौने दस बजे लोडर ट्रैक्टर की चपेट में आकर दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पर पहुंची सालपुर चौकी की पुलिस ने दोनों को एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। हादसे में एक ही गांव के दो युवकों की मौत होने से कोहराम मचा है। परिजनों का रो–रोकर हाल बेहाल है। सालपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम दरियापुर चौबे का अभिषेक मिश्र (22) पुत्र जनार्दन मिश्र अपने ही गांव के ननके गुप्ता (18) पुत्र राम जियावन के साथ मोटरसाइकिल से सिसरूर अंदूपुर गांव में शादी समारोह में जा रहा था। सिसरूर अन्दूपुर पुल के पास उतरौला मार्ग पर दोनों की बाइक लोडर ट्रैक्टर की चपेट में आ गई। हादसे में दोनों के सिर में गहरी चोटें आईं। सूचना मिलते ही सालपुर चौकी इंचार्ज राम प्रकाश चंद्र अपने सहयोगियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से जिला अस्पताल भिजवाया जहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि अभिषेक मिश्र के बड़े भाई की लगभग डेढ़ साल पहले बीमारी के चलते नोएडा में मौत हो गई थी। उसके दो बहनों की शादी हो चुकी है। परिवार के पालन पोषण की जिम्मेदारी अभिषेक के कंधे पर ही थी। सोमवार की रात अभिषेक की मौत होने से परिवार पर दुखों का पहाड़ ही टूट पड़ा है। इसी गांव के ननके गुप्ता पुत्र राम जियावन की हादसे में जान चली गई। उसका गांव के बाहर एक छोटा सा मकान है। उसी में ननके छोटी सी दुकान चलाकर परिवार का भरण–पोषण करने में मदद करता था। ननके गुप्ता चार भाइयों में तीसरे नम्बर पर है। कोतवाली देहात प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना के बाद ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया गया है। तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई होगी।

मान्यता प्राप्त पत्रकारों की बैठक में समस्याओं के निराकरण के लिये एकजुटता पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति की समन्वय बैठक प्रेस क्लब सभागार में वरिष्ठ पत्रकार कृष्णदेव मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गयी जिसमें समिति के उद्देश्य, भविष्य की गतिविधियों के साथ–साथ संगठन विस्तार पर चर्चा की गयी। पत्रकारों ने अपनी बातों को रखते हुए समस्याओं के निराकरण के लिए एकजुट होने पर जोर दिया।

बैठक को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों की समस्याओं के निराकरण के लिए एकजुट होना जरूरी है। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन को चलाने के लिए नियमित रूप से बैठक होना आवश्यक है। समस्याओं का समाधान आपसी समन्वय से ही निकलेगा। उन्होंने नये पत्रकारों के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने की बात कही।

बैठक को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप चन्द्र पाण्डेय ने कहा कि चुनौतियां कठिन हैं, चुनौतियों से निपटने के लिए उच्चाधिकारियों से पत्राचार होना जरूरी है, साथ ही समय के साथ पत्रकार नई तकनीक से जुड़कर अपनी क्षमता को बढ़ाये।

प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद उपाध्याय ने कहा कि जब तक हम एकजुट नहीं होगें तब तक किसी भी समस्या का समाधान कर पाने में सक्षम नहीं हो पायेंगे। समस्याओं से निपटने के लिए एकजुट होना ही आज की आवश्यकता है।

वरिष्ठ पत्रकार डा0 सत्यव्रत द्विवेदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में मान्यता मिलना बहुत कठिन है, जरूरत है कि जिन्हें मान्यता मिली है उसे सुरक्षित रखा जाए और अपने कुनबे को बढ़ाया जाए।

बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए वरिष्ठ पत्रकार मजहर आजाद ने कहा कि पूर्व में मान्यता प्राप्त पत्रकारों को तमाम सुविधाएं मिला करती थीं जिसमें कटौती की गयी है, जो ठीक नहीं है। उन्होंने पत्रकारों को राज्य कर्मचारियों के समान चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

वरिष्ठ पत्रकार संदीप शुक्ल ने पीआईबी के नये कानूनों पर अपने विचार रखे और सभी स्थानीय समाचार पत्रों के सम्पादक को इसकी जानकारी नियमित हो इसके लिए भविष्य में गोष्ठी आयोजित करने की बात कही।

बैठक को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार जयन्त कुमार मिश्र ने कहा कि पत्रकार समस्याओं से घिरा है ऐसे में संगठन के माध्यम से ही आगे बढ़कर चुनौतियों से लड़ना होगा।

प्रेस क्लब के संरक्षक प्रकाश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि हमें जो सुविधाएं मिला करती थीं उसमें कटौती नहीं की जा सकती , वह हमारा अधिकार है, जो हमें मिलना ही चाहिए।

बैठक को सम्बोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार कृष्णदेव मिश्र ने कहा कि जब तक नियमित बैठकें नहीं होगी तब तक समस्याओं का निराकरण कर पाना संभव नहीं है।

बैठक को प्रेस क्लब महामंत्री महेन्द्र त्रिपाठी, उपाध्यक्ष चन्द्र प्रकाश शर्मा ने सभी सम्बोधित किया।

मान्यता प्राप्त पत्रकार समिति के अध्यक्ष डॉ0 आलोक मणि त्रिपाठी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी को साथ लेकर पत्रकार समस्याओं की लड़ाई लड़ी जायेगी।

बैठक में मो0 शहंशाह आलम, आनन्द कुमार गुप्ता, सुनील कुमार मिश्र, जयप्रकाश उपाध्याय, देवेन्द्र कुमार पाण्डेय, विश्राम प्रसाद, जीशान हैदर रिजवी, राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र, राकेश तिवारी, मनोज कुमार यादव, सतीश श्रीवास्तव, इमरान अली, राघवेन्द्र सिंह, राकेश चन्द्र बिन्नू, हरिओम प्रकाश लल्ला, सर्वेश श्रीवास्तव, बशिष्ठ पाण्डेय, अनुराग श्रीवास्तव सहित बडी संख्या में मान्यता प्राप्त पत्रकार उपस्थित रहे।

जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले बख्शे न जाएं –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। सोमवार दोपहर बाद गोरखपुर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद मंगलवार सुबह जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात की। ध्यान से उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण तत्परता और शीघ्रता से किया जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, पारदर्शी और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं।

उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मंगलवार सुबह सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोवंश को दुलारकर उन्होंने अपने हाथों से उन्हें गुड़ खिलाया। इस दौरान एक गोवंश के साथ सीएम योगी स्नेहिल भाव से कुछ देर खेलते भी रहे।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–87/2024
आदित्य कुमार
बनाम
पारसनाथ आदि
1. पारसनाथ पुत्र गुरूसहाय 2. रामधीरज पुत्र स्वामीनाथ साकिनान ग्राम बेलसड़ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 3. सारदा पुत्री स्वामीनाथ साकिन चकचई तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 4. चन्द्रावती देवी पत्नी चतुरभुज साकिन सोनहा पोस्ट सोनहा तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 23–12–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 23 माह 12 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–697/1995
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
विन्दु कुमार सिंह
बनाम
श्रीमती हीरा देवी
श्रीमती सरिता देवी पत्नी बाबूलाल साकिन जैतापुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती
तारीख पेशी 23–12–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी शिव प्रसाद पुत्र श्री मोतीलाल नगर पंचायत बभनान वार्ड नं. 11 बाबा बागेश्वरनगर जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे तीन पुत्र गुड्डू गुप्ता, संजय गुप्ता और अजय गुप्ता है। मेरे पुत्र अजय गुप्ता का चाल चलन ठीक नहीं है। वह आये दिन परिवार में कलह किया करता है। समझाने पर भी नहीं मानता। उसका सम्बन्ध कुछ असामाजिक तत्वों से हो गये है। इसे देखते हुये मैं उसे 28–11–2024 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये अजय गुप्ता स्वयं जिम्मेदार होगा। अब उसका मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

मेडिकल छात्रा को दरोगा ने गोरखपुर से गाजियाबाद बुलाकर किया अप्राकृतिक दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखनाथ के राजेंद्र नगर पश्चिमी में किराए के घर में रहकर मेडिकल की पढ़ाई करने वाली युवती ने गोरखनाथ थाने में तहरीर देकर गाजियाबाद कोतवाली थाने में तैनात एक सब इंस्पेक्टर पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। सोमवार की रात में गोरखनाथ थाने में झांसी निवासी सब इंस्पेक्टर आशीष यादव पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। युवती का आरोप है कि दरोगा ने उसे गाजियाबाद बुलाकर अप्राकृतिक दुष्कर्म भी किया। गोरखपुर के ही कौड़ीराम क्षेत्र की रहने वाली युवती ने तहरीर देकर बताया कि वर्ष 2023 में राजेंद्र नगर में किराए का कमरा लेकर एक कॉलेज से फिजियोथैरेपी की पढ़ाई कर रही थी। सितम्बर 2023 में फेसबुक के जरिए आशीष से दोस्ती हुई थी। उसने अपने दो मोबाइल नंबर दिए। इसके बाद हमलोगों की बात शुरू हो गई। आशीष ने शादी के लिए प्रपोज किया उसने हां कर दी और अपने घरवालों को भी जानकारी दे दी। उस समय आशीष मुरादाबाद में अंबेडकर ट्रेनिग सेंटर पर प्रशिक्षण ले रहा था। छह जनवरी को वह छूट्टी लेकर गोरखपुर आया। यहां गोरखनाथ मंदिर में पहली मुलाकात हुई। यहां उसके सिर में सिंदूर लगाया और पुजारी के सामने दोनों ने विवाह कर लिया। इसके बाद वह उसके कमरे पर आकर रुका और शारीरिक संबंध बनाया। अगले दिन सुबह मुरादाबाद चला गया।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं. /2024
बेचन पुत्र पांचू (मृतक)
बनाम
सीताराम पुत्र गया (मृतक)
1. अनिल कुमार 2. राकेश कुमार 3. सचिन कुमार पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद 4. सुरेन्द्र प्रसाद पुत्र सीताराम 5. श्रीमती ज्ञानमती पत्नी सीताराम 6. रेनू पत्नी सुरेन्द्र प्रसाद साकिनान मौजा गन्धरिया बुजुर्ग तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 23–12–2024

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 12 के 23 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 2024 के 12 माह के 02 दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–193/1997
न्यायालय–श्रीमान अष्टम अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
राजमन
बनाम
रामलखन आदि
1. धर्मेन्द्र पुत्र स्व0 मोतीलाल 2. सूरज पुत्र स्व0 हरीलाल साकिनान मौजा बेलवाठकुराई तप्पा बेलहर परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 10–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 10 माह 12 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0– T20231714036209
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
जवाहर लाल आदि
बनाम
ग्राम पंचायत आदि
1. ग्राम पंचायत रौतापार तप्पा मथौली परगना मगहर पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती 2. सरकार 3. राम अवध पुत्र चन्द्रिका साकिन रौतापार तप्पा मथौली परगना मगहर पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 23–12–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 23 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 10 माह 12 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–83/97
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
ब्रम्ह प्रकाश
बनाम
देवानन्द
5/1 इन्द्रा बेवा श्री यदुनन्दन उम्र लगभग 65 साल 5/2 शीतला उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र यदुनन्दन 5/3 आशुतोष कुमार मिश्रा उर्फ आशु पुत्र यदुनन्दन उम्र लगभग 40 साल 5/4 पुष्पा मिश्रा उर्फ मन्नो पुत्री यदुनन्दन उम्र लगभग 38 साल 5/5 कल्यानी पुत्री यदुनन्दन उम्र लगभग 40 साल 5/6 जानकी पुत्री यदुनन्दन उम्र लगभग 23 साल 5/7 पारूती पुत्री यदुनन्दन उम्र लगभग 32 साल 5/8 रिचा मिश्रा उर्फ कामनी पुत्री यदुनन्दन उम्र लगभग 30 साल निवासीगण पंड़ित टोला पुरानी बस्ती तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 03–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

बेसहारों, पीड़ितों के चेहरों पर खुशी लाना...कौन दीवाना नहीं हो जाएगा सीएम योगी का –कैलाश सत्यार्थी

संवाददाता–गोरखपुर। प्रख्यात समाज सुधारक और नोबल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि करुणा का भूमंडलीकरण करना समय की मांग है। करुणा को सिर्फ दया या परोपकार की तरह नहीं लिया जा सकता। यह सामान्य मानवीय गुण नहीं, दैवीय शक्ति है। हमें जीवन में चेतना और प्रज्ञा की यात्रा में करुणा के महत्व को समझना होगा। चेतना बुद्धि का विकास करती है तो इस चेतना को प्रज्ञा तक जाने के लिए करुणा का होना अपरिहार्य है। कैलाश सत्यार्थी मंगलवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि करुणा का अर्थ दूसरों की तकलीफ को अपनी तकलीफ की तरह महसूस करना और उसे दूर करने के लिए पूरी सामर्थ्य से जुट जाना है।

उन्हें खुशी है कि आज वह करुणामय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हैं। योगी जी मानवता के उद्धार का कार्य पूरी तन्मयता से कर रहे हैं। हर नागरिक का भी यही सपना होना चाहिए। कहा, आज दुनिया जितनी विभाजित और विखंडित है, उतनी कभी नहीं थी।

2 अरब लोग युद्धों में या हिंसा के प्रभाव में जी रहे हैं। 46 करोड़ बच्चे युद्धों के शिकार हैं। पूरी दुनिया में जो समाधानकर्ता हैं उनका संबंध पीड़ितों से टूटता गया और दोनों के बीच खाई बढ़ती गई। इस खाई को भरने के लिए नैतिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी को एहसास करना होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया आज जितनी अमीर और कनेक्टेड है, उतनी कभी नहीं थी। आज हर सप्ताह दो बिलेनियर पैदा होते हैं। यदि हम युद्धों के एक सप्ताह के पैसे दे दें तो पूरी दुनिया के बच्चों को शिक्षा दी जा सकती है। युद्धों के दस दिन के पैसे दे दें तो दुनिया के हर गरीब बच्चे और महिलाओं के स्वास्थ्य और शिक्षा की व्यवस्था की जा सकती है। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि आज नोबल पुरस्कार प्राप्त होने की दसवीं वर्षगांठ पर उन्हें दिल्ली के एक कार्यक्रम में शामिल होना था। योगी आदित्यनाथ का आमंत्रण मिला और प्रदूषण के कारण दिल्ली का कार्यक्रम स्थगित हो गया। परमात्मा की इच्छा सर्वोपरि होता है और वह गोरखपुर की पुण्यभूमि पर इस कार्यक्रम में आ गए। उन्होंने कहा कि एक योगी के मन की इच्छा को परमात्मा भी पूरी करते हैं। कैलाश सत्यार्थी ने एक संस्मरण सुनाते हुए कहा कि करीब 25 वर्ष पूर्व गोरखनाथ के आसपास नेपाल के बच्चों से दुकानों पर काम कराने की जानकारी होने पर वह दिल्ली में युवा सांसद योगी आदित्यनाथ से मिलने उनके दिल्ली के फ्लैट पर गए थे। उनके फ्लैट पर साधारण तख्त और कुर्सियां थीं।

चुम्बकीय आकर्षण वाली मुस्कुराहट के साथ योगी जी को जैसे ही उन्होंने बाल श्रम के बारे में बताया उन्होंने फौरन फोन मिलाकर इस समस्या को समाप्त करने का आदेश दिया। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि पहली बार किसी राजनेता का यह रूप देखकर कौन दीवाना नहीं हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की सराहना करते हुए कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि कोरोना संकट के दौर में सीएम योगी ने नैतिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी लेकर उन प्रवासियों के भी भोजन का प्रबंध किया जो उत्तर प्रदेश होकर अपने राज्यों को गए। ऐसे ही बिहार के एक व्यक्ति ने योगी के बिहार दौरे पर उनसे मिलकर, एक लिफाफा देकर उनके प्रति आभार जताया कि जब वह अपने घर आ रहा था तो उसके भोजन का इंतजाम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। कहा कि वास्तव में गरीबों और पीड़ितों के चेहरे पर खुशहाली लाना ही कार्य का प्रमाण पत्र होता है। नोबल पुरस्कार विजेता सत्यार्थी ने कहा कि भारतीय मनीषा में विकास की अवधारणा में समग्रता का बोध है। हमारे यहां वैयक्तिक, सामूहिक और सार्वभौमिक विकास को जोड़कर रखा गया है। शिक्षा, कौशल और अनुभव सिर्फ वैयक्तिक विकास के लिए है तो वह अधूरा और स्वार्थमय है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ का स्लोगन है कि कोई पीछे न रह जाए। हजारों साल पहले हमारे ऋषियों ने साथ चलने, साथ बढ़ने का मंत्र दिया था। कैलाश सत्यार्थी ने ज्ञान को सर्वश्रेष्ठ यज्ञ बताते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ज्ञान यज्ञ का नेतृत्व कर रहे हैं। ज्ञान यज्ञ को वैभव का परिचायक बताते हुए कहा कि इस ज्ञान यज्ञ के साक्षी वह भी बने हैं। उन्होंने ऋग्वेद की एक उक्ति का उद्धरण देते हुए कहा कि यज्ञ की आहूति प्रतिकात्मक दी जाती है लेकिन हमारा ज्ञान, विवेक, अनुभव हमारे सभी प्रकार के सामर्थ्य को समर्पित करते हैं। कैलाश सत्यार्थी ने कहा कि 50 वर्ष पहले वह कहा करते थे कि दुनिया ज्ञान की दुनिया बनने जा रही है। आज तो यह दुनिया डिजिटल इकोनॉमी बन रही है। इसमें अगर बच्चों को मौका नहीं मिला तो यह देश ज्ञान सागर से वंचित रह सकता है। इस अवसर पर महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि इस सभा मंडप को देखकर लग रहा है कि जैसे यहा बैठे युवाओं, युवतियों में राष्ट्र निर्माण के लिए कुछ कर दिखाने का जज्बा है। उन्होंने कहा कि 1932 में महंत दिग्विजयनाथ ने राष्ट्र के प्रति आगे बढ़ने की जो इच्छा जगाई और महंत अवेद्यनाथ ने उसे और आगे बढ़ाया, योगी आदित्यनाथ ने और आगे बढ़कर इस भूमि को महान पुण्यभूमि में बदल दिया है।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0–104/2018
मूलवाद सं0–290/2004
मनोज कुमार सिंह
बनाम
दुर्गा प्रसाद
2/1 अमित सिंह उर्फ विजय सिंह पुत्र नक्षत्रबली सिंह साकिन कोहराये तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 15–12–2024

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 15 माह 12 सन 2024 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–107/2022
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती प्रतिभा सिंह
बनाम
कन्हैया लाल आदि
बृजमोहन पुत्र स्व0 घनश्याम साकिन मौजा रूधौली कला तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती पोस्ट रूदनगर पिन कोड 272151
तारीख पेशी 21–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 21 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

प्रारूप 7
(देखे नियम–11 (1)
घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा–12 (1) के अधीन हाजिर होने के लिए सूचना
परिवाद सं0– 560/23
न्यायालय–श्रीमान जे0एम0/एफ0टी0सी0 (महिलाओं के विरूद्ध अपराध) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रीति चौधरी
बनाम
गोविन्द वर्मा आदि
1. गोविन्द वर्मा उम्र 30 वर्ष पुत्र स्व0 विजय बहादुर वर्मा (पति) 2. इन्द्रावती वर्मा पत्नी विजय बहादुर वर्मा उम्र वर्ष (सास) 3. ईशा वर्मा पुत्री स्व0 विजय बहादुर वर्मा उम्र वर्ष (ननद) 4. विन्दू वर्मा पुत्री स्व0 विजय बहादुर वर्मा उम्र वर्ष (ननद) 5. शांति वर्मा पुत्री स्व0 विजय बहादुर वर्मा उम्र वर्ष (ननद) समस्त निवासीगण ग्राम करमिया थाना परसरामपुर जिला बस्ती
तारीख पेशी 21–12–2024

याची ने घरेलू हिंसा से महिला संरक्षण अधिनियम, 2005 (2005 का 43) की धारा– 12 के अधीन आवेदन फाइल किया है/किये है। आपको यह कारण बताने के लिए कि क्यों न आवेदक द्वारा मांगे गये (अनुतोषो) को आपके विरूद्ध प्रदान कर दिया जाय व्यक्तिगत रूप से या सम्यक रूप से प्राधिकृत काउन्सेल के मार्पत तारीख 21 मास 12 सन् 2024 को बजे पूर्वान्ह/अपरान्ह में इस न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का निर्देश दिया जाता है। इसमे असफल होने पर न्यायालय एक पक्षीय कार्यवाही करेगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा के अधीन तारीख को दी गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–562/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
मुनिराम
बनाम
श्याम सुन्दर
1. श्याम सुन्दर पुत्र शीतल साकिन श्रीपालपुर टोला नन्दापुर तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 06–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 06 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com